# बेहतर वोल्टेज व गुणवत्तायुक्त बिजली के लिए एकसाथ रिसर्च करेंगे बीआरपीएल व टेरी

नई दिल्लीः 12 जुलाई, 2017। अच्छी वोल्टेज और विश्वसनीय व गुणवत्तायुक्त बिजली की दिशा में बीआरपीएल और टेरी एकसाथ रिसर्च करेंगे। रिसर्च में फीडरों पर बिजली का लोड, वोल्टेड रेगुलेशन, प्रोटेक्शन, आदि कई विषयों पर अध्ययन किए जाएंगे, जो सीधे तौर पर बिजली उपभोक्ताओं को प्रभावित करते हैं। इस रिसर्च से उपभोक्ताओं को और बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, रिसर्च में सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों व स्मार्ट ग्रिड आदि को भी शामिल किया जाएगा।

रिसर्च के लिए बीआरपीएल और टेरी ने एक समझौता किया है। बीआरपीएल की ओर से सीईओ श्री अमल सिन्हा और टेरी की ओर से बिजली व ईंधन डिविजन के सीनियर फेलो व डायरेक्टर श्री एके सक्सेना ने एमओयू यानी मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए हैं। शुरूआत में इस की अवधि दो साल की होगी।

इस रिसर्च और अध्ययन के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए बीआरपीएल के सीईओ श्री अमल सिन्हा ने कहा– मुझे पूरा विश्वास है कि बीआरपीएल और टेरी के इस गठबंधन से उभरती तकनीकों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रिसर्च होंगे और उससे काफी अवसर भी पैदा होंगे। इससे रूफ टॉप सौर ऊर्जा के क्षेत्र में डिस्कॉम्स के सामने आने वाली समस्याओं व चुनौतियों को समाधान मिलेगा और राजधानी दिल्ली में रूफ टॉप सौर ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

श्री सिन्हा ने कहा– हम देश की उन चंद युटिलिटीज में शामिल हैं, जो रूफ टॉर सौर ऊर्जा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। बीआरपीएल ने अपने इलाके में 8 मेगावॉट रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्लांटों को एनर्जाइज कर दिया है और 2017–18 के दौरान यहां और 20 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन जुड़ने का अनुमान है।

इस समझौते के बारे में टेरी में बिजली व ईंधन डिविजन के डायरेक्टर श्री एके सक्सेना ने कहा– बीआरपीएल देश के सक्रिय डिस्कॉम्स में से एक है। हम इस सहयोग को महत्व देते हैं और मुझे विश्वास है कि हमारी स्टडी से बड़े पैमाने पर रूफटॉप सौर ऊर्जा के बारे में बेहतर निर्णय लेने तथा उसे उनके ग्रिड में शामिल करने में मदद मिलेगी।

इस समझौते से बीआरपीएल, टेरी और उपभोक्ताओं––तीनों को फायदा होगा। इस स्टडी से रूफटॉप सौर ऊर्जा के उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलेगा। इससे, रेगुलेटर द्वारा अक्षय ऊर्जा के लिए दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने में बीआरपीएल को मदद मिलेगी। इसके अलावा, एनर्जी स्टोरेज के लिए इलाकों को चिह्नित करने में भी सहायता मिलेगी। इस स्टडी से बिजली की गुणवत्ता तथा विश्वसनीयता में सुधार लाने में भी सहायता मिलेगी।

टेरी और बीआरपीएल का रिसर्च प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया है और यह बीआरपीएल इलाके में ग्रिड–स्केल एनर्जी स्टोरेज के पायलट डिमॉन्सट्रेशन के लिए आईआईटी– कानपुर के नेतृत्व वाले संकाय का हिस्सा होगा। यहां, टेरी और बीआरपीएल क्रमशः एकेडमिक व डिस्कॉम पार्टनर होंगे।

**बीआरपीएलः** बीआरपीएल यानी बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और दिल्ली सरकार के बीच क्रमशः 51 प्रतिशत और 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक जॉइंट वेंचर है। बीआरपीएल अपनी सिस्टर कन्सर्न कंपनी बीवाईपीएल यानी बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड के साथ मिलकर दो–तिहाई दिल्ली में बिजली की आपूर्ति करती है।

दिल्ली के 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली बीआरपीएल राजधानी की सबसे बड़ी डिस्कॉम है, जो 23 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति करती है। बीआरपीएल, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली के 92 लाख से अधिक की आबादी को बिजली की आपूर्ति करती है।

**टेरीः** टेरी एक स्वतंत्र, नॉन–प्रॉफिट रिसर्च इंस्टिट्यूट है, जिसका फोकस ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर है। साथ ही यह प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी व टिकाऊ उपयोग के प्रति समर्पित है। 1974 में अपनी स्थापना के बाद, टेरी अपने मौलिक व महत्वपूर्ण

रिसर्च की बदौलत इंस्टिट्यूट ऑफ एक्सिलेंस के तौर पर उभरी है। यह एक वैश्विक ब्रांड है और राजनीतिक नेताओं, नीति निर्माताओं, कॉरपोरेट संस्थानों और सिविल सोसाइटी के बीच इसे सम्मान की नजरों से देखा जाता है।

*प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।*